भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4949
जिसका उत्तर मंगलवार, 23 दिसम्बर, 2014 को दिया जाना है

बहुराष्ट्रीय कंपनियों का बंद होना

4949. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में काम कर रही बहुत सी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) ने अपना प्रचालन बंद कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके एमएनसी और राज्य-वार क्या कारण हैं;

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या तमिलनाडु में काम कर रही कतिपय बहुराष्ट्रीय कंपनियां बंद होने के कगार पर हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार की बंद हो गई एमएनसी के कर्मचारियों के पुनर्वास की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): भारी उद्योग विभाग की भूमिका इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के 32 लोक उद्यमों के प्रशासन तक सीमित है। इसलिए, भारी उद्योग विभाग द्वारा देश में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) के कोई आंकड़ें नहीं रखे जाते हैं। औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग ने भी ऐसी कोई सूचना नहीं दी है।

(ग) से (ङ): प्रश्न नहीं उठता।

****